



महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा (महाराष्ट्र)

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अन्तर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

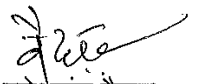
(A Central University Established by Parliament by Act No.3 of 1997)

नैक (NAAC) द्वारा 'A' ग्रेड प्राप्त

प्रेस विज्ञप्ति

जनता ने गुप्त जी को राष्ट्रकवि का सम्मान दिया-प्रो. अखिलेश दुबे

आज दिनांक 03 अगस्त 2021 को महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा के क्षेत्रीय केंद्र प्रयागराज द्वारा राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त के जन्म दिवस पर गुप्त जी की कविताओं के पाठ का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में केंद्र के शिक्षकों एवं गैर शैक्षणिक कर्मियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता अकादमिक निदेशक अखिलेश कुमार दुबे ने की। डॉ. ऋचा द्विवेदी ने मैथिलीशरण गुप्त के जीवन पर प्रकाश डाला। डॉ. विजया ने गुप्त जी कविताओं में से 'सखी वह मुझसे कहकर जाते', डॉ. अनुराधा पांडेय ने 'मातृभूमि', डॉ. अवंतिका शुक्ला ने 'नर हो न निराश करो मन को', डॉ. आशा मिश्रा ने 'निर्बल के बलराम', डॉ. अनूप त्रिपाठी ने 'मां कह एक कहानी' का पाठ किया। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में डॉ. अखिलेश दुबे ने बताया कि डॉ. गुप्त ने अपने लेखन के माध्यम से भारतीय स्त्रियों के इतिहास और उनकी भूमिका को केंद्र में लाया। उन्होंने महादेवी वर्मा के संस्मरण का उदाहरण देते हुए बताया कि गुप्त जी को साधारण लोगों के बीच में से अलग ढूंढना मुश्किल था क्योंकि वे उन्हीं की तरह साधारण जीवन जीते थे। और इसी जन के जीवन की कविता गुप्त जी के लेखन का प्राण रहा। भारत के गौरव का गान राष्ट्रकवि की कविता का केंद्रीय तत्व है। इसके बाद प्रोफेसर दुबे ने 'जीवन की ही जय है' कविता का पाठ किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. ऋचा द्विवेदी ने किया एवं अंत में डॉ. आशा मिश्रा ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।


(विनोद रमेशचंद्र वैद्य)
सहायक कुलसचिव

क्षेत्रीय केंद्र, प्रयागराज (इलाहाबाद)

भूखंड संख्या-6/1-3, झूंसी योजना-3, प्रयागराज- 211019, उ.प्र., भारत
फोन : 0532- 2567442 ईमेल: mgahvalld@gmail.com वेबसाइट : hindivishwa.org



Samsung Triple Camera
Shot by Vinod Vaidya

